मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शनिवार को सिकराय विधानसभा क्षेत्र की मेधावी छात्राओं से मुलाकात की। इस मीटिंग में सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल भी मौजूद थे। विधायक बंशीवाल इन मेधावी छात्राओं को अपने साथ अयोध्या दर्शन के लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को आशीर्वाद दिया।

मुख्यमंत्री ने सिकराय की छात्राओं से मुलाकात की

- **भजनलाल ने छात्राओं के अनुरोध पर तिरंगे के साथ सैल्फी ली।**
- **सिकराय के भाजपा विधायक विक्रम बंशीवाल इन छात्राओं को हवाई जहाज से अयोध्या ले जा रहे हैं, मुख्यमंत्री ने सभी छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।**

जयपुर, 10 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिकराय विधानसभा क्षेत्र के विधायक विक्रम बंशीवाल एवं मेधावी छात्राओं ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने विधायक बंशीवाल की पहल पर हवाई मार्ग से अयोध्या दर्शन के लिए जा रही मेधावी छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान किया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केन्द्र बन चुका है, जो कि हमारे देश के गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रोम-रोम में बसने वाले प्रभु श्रीराम हम सभी की जीवन पद्धित के आदर्श हैं। शर्मा ने कहा कि बच्चों में सांस्कृतिक केन्द्रों को लेकर अभिलाषा बनी रहती है। इस यात्रा से धार्मिक दर्शन के साथ ही भारत की समृद्ध संस्कृति एवं विरासत के साक्षी बनने का अनुभव प्राप्त होगा और जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस दौरान छात्राओं को यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने छात्राओं के अनुरोध पर तिरंगे के साथ सेल्फी भी खिंचवाई।

मुख्यमंत्री ने विधायक विक्रम बंशीवाल की बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में की गई पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल भावी छात्र-छात्राओं की हौंसला अफजाई का काम करेगी। उल्लेखनीय है कि विधायक बंशीवाल की अनूठी पहल पर बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली सिकराय विधानसभा क्षेत्र की मेधावी छात्राओं को हवाई यात्रा के माध्यम से अयोध्या दर्शन करवाए जाएंगे। इस अवसर पर विधायक विक्रम बंशीवाल के परिजन, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

'एक स्वतंत्र मजबूत न्याय प्रणाली शासन के लिए आवश्यक है यह जीवन की जीवन रेखा है'

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने बार काउन्सिल ऑफ राजस्थारन के प्लैटिनम जुबली कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए न्याय प्रणाली को देश का मजबूत स्तम्भ बताया

- **जोधपुर में आयोजित प्लैटिनम जुबली कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश ए.जी. मसीह, न्यायाधीश संदीप मेहता, राजस्थान हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव, विधि मंत्री और बार काउन्सिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष भी मौजूद थे।**

जोधपुर, 10 अगस्त (कासं)। बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान का प्लैटिनम जुबली कार्यक्रम शनिवार को जोधपुर में मनाया गया। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिकरत की। धनखड़ के साथ ही सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश ए.जी. मसीह, न्यायाधीश संदीप मेहता, राजस्थान हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव, विधि मंत्री जोगाराम पटेल, बार काउन्सिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा व बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान के चेयरमैन भुवनेश शर्मा सहित कई पूर्व न्यायाधीश व अधिवक्ता शामिल हुए। सबसे पहले अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सभी को प्लैटिनम जुबली की बधाई दी। उन्होंने न्याय प्रणाली को देश का मजबूत स्तम्भ बताया। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था ने ही भारत के नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों को बरकरार रखा हुआ है।

उपराष्ट्रपति ने आगाह किया कि कुछ राष्ट्रिवरोधी लोग साजिशन नैरेटिव चला रहे हैं कि भारत में भी पड़ोसी देश जैसा घटनाक्रम दोहराया जायेगा। ये लोग जिम्मेदारी वाले पदों पर रहे हैं, फिर भी ऐसा गैर जिम्मेदाराना बयान कैसे दे सकते हैं। ऐसी राष्ट्र विरोधी ताकतें देश तोड़ने को तत्पर हैं, राष्ट्र के विकास को पटरी से उतारना चाहती हैं। हमें इनसे सावधान रहने की जरूरत है।

आपातकाल की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जब आपातकाल लगाया था, तो सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि जब तक आपातकाल जारी रहेगा, तब तक कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों के लिए किसी भी न्यायालय में नहीं जा सकता और आपातकाल तब तक जारी रह सकता है, जब तक सरकार चाहे। उन्होंने कहा कि यदि उच्चतम स्तर पर न्यायपालिका ने झुककर किसी व्यक्ति की तानाशाही के आगे घुटने नहीं टेके होते, तो आपातकाल नहीं लगता।

उपराष्ट्रपति ने कहा किसी राष्ट्र की न्यायिक प्रणाली और उसकी कार्यक्षमता उसकी लोकतांत्रिक जीवंतता को परिभाषित करती है। एक स्वतंत्र मजबूत न्याय प्रणाली किसी भी शासन के लिए आवश्यक है क्योंकि यह जीवन की भी जीवन रेखा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा मैं इन संस्थाओं का उल्लेख हमारे लोकतंत्र के तीन स्तंभों के रूप में कर रहा हूँ। यदि इन संस्थाओं को निर्बल किया गया, तो ये हमारी लोकतंत्र को खतरे में डाल देंगी और हमारे विकास के मार्ग को पटरी से उतार देंगी।

उन्होंने कहा ये राष्ट्र विरोधी ताकतें हमारे संस्थानों का शोषण करके ऐसी कथाएं फैलाती हैं जो न केवल राष्ट्रिवरोधी हैं, बल्कि राष्ट्र के लोकतंत्र को पटरी से उतारने का लक्ष्य रखती हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा, हमारे संविधान में सभी संस्थाओं की भूमिका को अच्छी तरह से वर्णित किया गया है। विधायिका की भूमिका क्या है, यह सभी जानते हैं। न्यायपालिका की भूमिका क्या है? कार्यपालिका की भूमिका क्या है, यह हम सभी जानते हैं?

टी.वी. सोमनाथन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संभालेंगे। सोमनाथन झारखंड कैडर के 1982 बैच के आई.ए.एस. अधिकारी और मौजूदा कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की जगह लेंगे।

सर्कुलर के अनुसार, कैबिनेट सचिव का पद ग्रहण करने से पहले सोमनाथन कैबिनेट सचिवालय में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। उनका कार्यकाल 30 अगस्त से शुरू होगा और वह अगले दो सालों तक इस पद पर बने रहेंगे।

कैबिनेट सचिव भारत सरकार की कार्यपालिका में सबसे उच्च पद होता है। कैबिनेट सचिव के रूप में नियुक्त अधिकारी, भारत सरकार के सचिवों की समिति का प्रमुख होता है। यह पद भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठतम अधिकारियों में से एक को दिया जाता है, जो सीधे प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल को प्रशासनिक सलाह देने के लिए जिम्मेदार होता है।

कैबिनेट सचिव का कार्यकाल आमतौर पर दो साल का होता है लेकिन इसे सरकार के विवेकानुसार बढ़ाया भी जा सकता है।

इस पद पर बैठे व्यक्ति को प्रशासनिक कार्यों में व्यापक अनुभव और नेतृत्व क्षमता की आवश्यकता होती है, क्योंकि यह भूमिका सरकार की नीतियों के कार्यान्वयन, विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय, और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने मेड़ता सिटी को दी बड़ी सौगात

पादू कला व जसनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की घोषणा

- **मेड़ता के विधायक लक्ष्मण कलरु ने मेड़ता की जनता की तरफ से मुख्यमंत्री का जताया आभार।**
- **मुख्यमंत्री खुद मेड़ता सिटी जाने वाले थे पर खराब मौसम के कारण नहीं जा पाए, इसलिए वर्चुअली आमसभा को संबोधित किया।**

मेड़ता सिटी, 10 अगस्त (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मेड़ता सिटी दौरा आज बारिश के कारण रद्द हो गया। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से आम सभा को संबोधित किया।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनों को मीरा जयंती महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मेड़ता की धरती शक्ति की धरती है। उन्होंने कहा, भक्त शिरोमणि मीराबाई के मंदिर में दर्शन की उनकी परम इच्छा थी लेकिन मौसम की खराबी के कारण उनका कार्यक्रम रद्द हो गया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मेड़ता की जनता को दो बड़ी सौगातें दीं। उन्होंने पादू कला व जसनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाने की घोषणा की। साथ ही, मेड़ता विधायक लक्ष्मण कलरू ने मेड़ता को मिली दो बड़ी सौगातों को लेकर खास बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि लंबे समय से पादू कला व जसनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को क्रमोन्नत करने की मांग की जा रही थी, जिसे आज मुख्यमंत्री ने पूरा कर मेड़ता की जनता का दिल जीत लिया है।

सभा में किसान आयोग अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, विधायक लक्ष्मण राम कलरू, नागौर के प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, रिछपाल मिर्धा, मंत्री विजेन्द्र सिंह, मंत्री मंजू बागमार, अजय सिंह किलक, ज्योति मिर्धा, जनता प्रधान संदीप चौधरी, वीरम देव जैसास, जिला प्रमुख शोभाराम जयपाल, राम अवतार चितलांगिया, जितेन्द्र गहलोत मौजूद थे।

मेड़ता मीरा जयंती महोत्सव का झण्डारोहण के साथ शुभारंभ किया गया। पारम्परिक रूप से राजपूत समाज ने विशाल रैली के रूप में जुलूस निकाला, जो चारभुजा मंदिर पहुंचा, वहाँ पूजा अर्चना कर झण्डारोहण के साथ 520 वें मीरा जयंती महोत्सव का शुभारम्भ हुआ।

मेड़ता तहसीलदार रामसुख गुर्जर, मुख्य यजमान लक्षण राम घांची द्वारा ठाकुर जी की विशेष पूजा अर्चना की गई। महोत्सव में मीरा जयंती समिति के पदाधिकारी नरेन्द्र लाहोटी, पुखराज कमेडिया, रामेश्वर थिरोदा, रामेश्वर घांची, सी पी पुजारी सहित कई कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री सहित, कई नेताओं का आभार जताया।

'शेख हसीना ने अभी तक प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है'

वॉशिंगटन, 10 अगस्त। शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने दावा किया है कि बांग्लादेश छोड़ने से पहले उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया था। इस लिहाज से आधिकारिक रूप से वह अब भी प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि हालात इतने खराब हो गए थे कि उन्हें इस्तीफा देने का वक्त ही नहीं मिला और भारत आना पड़ गया। एएफपी ने 5 अगस्त को रिपोर्ट किया था कि शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और वहां से भाग निकली हैं।

वाजेद ने कहा कि संविधान के मुताबिक सेख हसीना अब भी प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा, मां ने सार्वजनिक बयान जारी करने और फिर इस्तीफा देने का प्लान बनाया था।

अनंतनाग में सुरक्षाबलों की आतंकियों के साथ मुठभेड़, 2 जवान शहीद व तीन घायल

- **सुरक्षाबलों ने आतंकियों के छुपे होने की सूचना मिलने पर सर्च ऑपरेशन चलाया तभी आतंकियों की तरफ से गोलीबारी शुरु हो गई।**

श्रीनगर, 10 अगस्त। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। इस मुठभेड़ में दो जवान शहीद हो गए हैं जबकि तीन अन्य घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद दक्षिण कश्मीर जिले के कोकेरनाग इलाके के अहलान गडोले में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों द्वारा तलाशी दल पर गोलीबारी करने पर सुरक्षा बलों ने जवाब में गोलीबारी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

शनिवार दोपहर को मिली जानकारी के अनुसार, कोकरनाग इलाके के अहलान गडोले क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। जैसे ही सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी की वहां छिपे हुए आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जिससे दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ छिड़ गई। शुरुआती गोलीबारी में एक जवान घायल हो गया, जिसे तुरंत 92 बेस सेना अस्पताल ले जाया गया। इसके कुछ समय बाद एक और जवान के घायल होने की खबर आई और फिर दुखद रूप से दो जवान शहीद हो गए।

माना जा रहा है कि आतंकियों का यह समूह भारी हथियारों से लैस है और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा हुआ है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ये आतंकी डोडा से दक्षिण कश्मीर के वन क्षेत्रों में घुसपैठ करने में सफल हुए थे। घना जंगल और ऊबड़-खाबड़ इलाका होने के कारण आतंकियों के भागने की संभावना बढ़ गई है।

गत वर्ष जारी हिंडनबर्ग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **हिंडनबर्ग के धमाकों के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अडानी ग्रुप के शेयर घोटाले की जांच करवाने से इन्कार कर दिया था, यह कह कर कि सेबी इस मामले की जांच पहले ही कर रही है।**
- **सेबी व अडानी ग्रुप के वकील महेश जेठमलानी ने हिंडनबर्ग पर मानहानि का मुकदमा ठोका था।**
- **अतः क्या नवीन हिंडनबर्ग रिपोर्ट, पुनः अडानी ग्रुप को टारगैट बनायेगी, पुराने वैमनस्य के कारण।**

(सिक्युरिटीज़ एण्ड एक्सचैंज बोर्ड ऑफ इंडिया) से सांठ-गांठ है। रिपोर्ट में आरोप था कि यह समूह टैक्स हैवन्स का अवैध इस्तेमाल करता है और शेयरों की कीमतों में जोड़-तोड़ करता है। इस वर्ष जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडानी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने से मना कर दिया और कहा कि मार्केट रैगुलेटर सेबी इस मामले में जांच कर रही है।

अडानी समूह ने तब आरोपों से इन्कार कर दिया था और ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ग्रुप को बदनाम करने, कंपनी को नष्ट करने और कड़ी मेहनत से कमाई गई मार्केट वैल्यु को गिराने की सोची समझी साजिश है। भाजपा नेता और एडवोकेट महेश जेठमलानी ने कहा, बाद में दावा किया कि हिंडनबर्ग की अडानी संबंधी रिपोर्ट अमेरिकन बिजनैसमैन, जिसका चीन से कनैक्शन है, द्वारा गढ़ी गई थी जेठमलानी ने इसके लिए किंगडन कैपिटल मैनेजमैंट एल.एल.सी. के मार्क किंगडन का नाम लिया था।

जून में हिंडनबर्ग रिसर्च को सेबी द्वारा शो कॉज नोटिस भी भेजा गया था। जिसमें भारतीय विनियमों के संदिग्ध उल्लंघन का आरोप था। शॉट सैलर ने नोटिस को बकवास करार दिया और कहा कि इसका उद्देश्य भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ उठाने वालों को डराना, धमकाना व चुप कराना है। पर, इससे भारत के सबसे पावरपुल व्यक्ति द्वारा की गई धोखाधड़ी छुप नहीं सकती है। यू.एस. एजेन्सी ने आरोप लगाया कि भारत में कॉर्पोरेट गवर्नेंस एक बिजनैसमैन के लिए झूठ है। वो सब खरीद सकता है। हिंडनबर्ग ने नई रिपोर्ट लाने का इरादा जताया। ऐसा लगता है कि अडानी-हिंडनबर्ग की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है।

गडकरी ने पंजाब को 8 हाइवे प्रोजैक्ट बंद करने की चेतावनी दी

नई दिल्ली, 10 अगस्त। केंद्रीय राजमार्ग एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पत्र लिखकर पंजाब के मुख्यमंत्री को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि राज्य में कानून व्यवस्था ठीक नहीं है। अगर इसे सुधारा नहीं जाता है तो एन.एच.ए.आई. आठ हाइवे प्रोजेक्ट रद्द कर देगा। दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे पर हो रहीं हिंसक घटनाओं को देखते हुए केंद्रीय मंत्री ने यह चेतावनी भरा पत्र लिखा है। बता दें कि इन आठ प्रोजेक्ट की कुल लागत 14288 करोड़ है।

बता दें कि दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान कई जगहों पर काम रोकने के लिए हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं। यह एक्सप्रेसवे राजधानी दिल्ली से माता वैष्णोदेवी कटरा तक बनाया जा रहा है। वहीं इसका एक हिस्सा अमृतसर तक भी जोड़ा जाना है।

1940 के दशक से 1960 तक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उदार नीति अपनाई गई। महत्वपूर्ण यह था कि टेलीकम्युनिकेशन्स इण्डस्ट्री सहित प्राइवेट सैक्टर के कुछ महत्वपूर्ण अवयवों को ओपन कर दिया गया। टेलीकॉम इण्डस्ट्री के उदारीकरण और कीमत कुशलता के कारण इस सैक्टर में नए उद्यमियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा हुई जिससे इन्फॉर्मेशन टैक्नोलॉजी इण्डस्ट्री के अभ्युदय का मार्ग प्रशस्त हुआ। वर्ष 1991-92 के आर्थिक संकट के बाद अर्थव्यवस्था का उदारीकरण किया गया, जिससे नियामक संरचना में व्यापक बदलाव आए। इससे भारतीय उद्योग जगत में भारतीय एवं विदेशी, दोनों ही नए उद्यमियों को लाने में मदद मिली।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नए नियम ऑटोमोबाइल सैक्टर में भारी बदलाव लेकर आए। देश में दो पुराने प्रतिष्ठित औद्योगिक घरानों के स्वामित्व वाली पुरानी ऑटोमोबाइल कम्पनियां नवीन तकनीकी और नए खिलाड़ियों के प्रवाह में गायब हो गईं।

दूसरा, डिपार्टमैन्ट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन्स जो देश में अब तक दूरभाष एवं संचार इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवा रहा था, गुमनामी के अंधेरे में खो गया। उसका स्थान प्राइवेट सैक्टर के नए सर्विस प्रोवाइडर्स ने ले लिया। कीमतें गिर गईं, जिससे आई.टी. इण्डस्ट्री परवान चढ़ सकी।

आज, यदि हम अग्रणी औद्योगिक घरानों की तुलना 1950 के दशक के औद्योगिक घरानों से करें तो हम उनमें थोड़ी समानता पाएंगे। पचास के दशक के अधिकांश औद्योगिक घराने अब गायब हो चुके हैं और उनका स्थान टैक्नो उद्यमियों की नई फसल ने ले लिया है, यद्यपि "टाटा" जैसे कुछ अपवाद भी हैं। मध्यम आय वर्ग के देशों के समक्ष आर्थिक वृद्धि, डिकार्बोनाइजेशन और ऊर्जा सुरक्षा जैसी महत्वपूर्ण जरूरतें हैं। इसके समाधान में सभी फर्म्स को वहन योग्य एवं सुरक्षित ऊर्जा उपलब्ध करवाने के साथ ही आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था में से खराबियों को अलग करना होगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था का भविष्य पुनर्निमाण की प्रक्रिया तथा अकुशल चीज़ों को अलग करने पर निर्भर होगा। हम इसे अबाधित तरीके से कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं? इसका उत्तर सरकार की इस नीति पर निर्भर होगा कि वह वर्तमान आर्थिक संरचना को बनाए रखने को लेकर अधिक हस्तक्षेप ना करें और रोजगार संरक्षण के नाम पर अकुशल खिलाड़ियों का पक्ष ना ले। क्यों नहीं नए उद्यमियों के माध्यम से रोजगार सृजन किया जाए।

पूर्व विदेश मंत्री नटवर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लंबे समय से बीमार चल रहे थे। नटवर सिंह का गुरूग्राम के मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा था। उन्हें गत 31 जुलाई को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर नटवर सिंह के निधन की पुष्टी की। उन्होंने लिखा कि पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह के निधन का समाचार दुखद है। ईश्वर उनके परिजनों को यह क्षति सहने की शक्ति दे और दिवंगत आत्मा को सदगति प्रदान करें।

गौरतलब है कि कुंवर नटवर सिंह का जन्म 16 मई 1929 को राजस्थान के भरतपुर जिले में हुआ था। वो 2004 से लेकर 2005 के बीच यू.पी.ए. सरकार मे विदेश मंत्री भी रहे। नटवर सिंह एक भारतीय राजनायिक और राजनीतिज्ञ थे।

आर्थिक संकट में घिरे तेलंगाना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यात्रा पर अपने साथ ले जाना उचित समझा, की आत्महत्या की खबर उसी दिन आई, जिस दिन अखबारों में यह समाचार प्रकाशित हुआ था कि देश के सबसे बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठान ने अपने 42,000 कर्मचारियों की छँटनी कर दी है। बिज़नेस मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, भारत की बहुत-सी बड़ी एवं प्रतिष्ठित कम्पनियों ने चुपचाप छँटनी कर दी है। उन्होंने या तो कर्मचारियों को निकाल दिया है या नई भर्तियों की संख्या बहुत ज्यादा कम कर दी है। बताया जा रहा है कि कई प्रतिष्ठित आई.टी. कम्पनियाँ तथा आई.टी.ई.एस. फर्में भी स्टाफ की छँटनी कर रही हैं तथा इस स्थिति के पीछे दो कारण माने जा रहे हैं।

लेबर एक्सपर्ट्स इसका एक कारण तो यह बता रहे हैं कि आर्टीफिशियल इन्टैलिजैन्स (ए.आई.), ज्यादा क्षमता वाली मशीनों तथा स्वचालित मशीनों के आ जाने के फलस्वरूप स्टाफ की आवश्यकता में कटौती हो रही है। वे यह जानना चाहते हैं कि क्या पूरे देश में फैली हुई बेरोजगारी या रोजगारों की कमी, देश को पीड़ित कर रही बड़ी आर्थिक दुर्भावना का संकेत है। स्टॉक मार्केट जिसके सूचकांक (इन्डेक्स) को सरकार तथा कॉर्पोरेट अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य का संकेत मानते हैं, में उछाल के बावजूद भारी बेरोजगारी आना इस बात का संकेत है कि बड़ी अर्थव्यवस्था की कमियां देश की जनता को प्रभावित कर रही हैं। ऐसा लगता है कि नौकरियों की कमी सभी सेक्टरों में हो रही है।

हैदराबाद के लेबर एक्सपर्ट भारत भूषण ने दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि योगी जैसे युवा एवं मध्यम आयु-वर्ग के लोग "इस समय इससे पहली पीढ़ी की तुलना में, ज्यादा मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। पहले आम तौर से नौकरी, चाहे वह निजी क्षेत्र में थी, अर्धसरकारी क्षेत्र में थी, या सरकारी क्षेत्र में थी, ज्यादा सुरक्षित थी। उन्होंने कहा कि आज सरकारी क्षेत्र भी अपना काम बाहर से करा रहे हैं तथा कर्मचारियों की संख्या कम कर रहे हैं। यह भी रोजगार के मोर्चे पर दबाव बढ़ने का एक कारण है तथा रोजगार की स्थिति एक ऐसी दिशा की ओर जा रही है, जिसे कोई नहीं चाहता।

वारंगल के इस पत्रकार का मामला बहुत ह्रदय-विदारक है क्योंकि उसके परिवार-उसकी पत्नी तथा बहिन तथा मीडिया के साथियों को उसका अंतिम संस्कार करने में बहुत मुश्किल आई क्योंकि किराये के आवास के मालिक ने शव को घर पर नहीं लाने दिया। बाद में, पिता और पुत्री के शव उनके पैतृक गाँव ले जाये गये, जहाँ उनका अन्तिम संस्कार हुआ। ज्ञातव्य है कि गाँव में भी योगी के पास कोई सम्पत्ति नहीं है। योगी द्वारा इतना विकराल कदम उठाये जाने का कारण आर्थिक संकट ही बताया जा रहा है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है तथा जाँच-पड़ताल की जा रही है।

योगी रेड्डी के प्रोफेशनल साथी उसे एक ऐसे पूर्ण प्रोफेशनल के रूप में याद कर रहे हैं, जिसकी साँस-साँस तथा रग-रग में पत्रकारिता बसती थी। उनके अनुसार, वह बड़े पदों पर आसीन लोगों से सवाल पूछने तथा कमजोर व शोषितों का समर्थन करने का अपना परम कर्तव्य मानने में विश्वास करता था। उसे एक ऐसा ईमानदार पत्रकार बताया जा रहा है, जो अपनी गृहस्थी चलाने के आर्थिक दबाव से संघर्ष कर रहा था।

1389 अग्निवीर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी और उनसे कर्तव्य , सम्मान और साहस के मूल्यों पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान का आव्हान किया। उन्होंने उनसे प्रशिक्षण के अगले चरणों पर ध्यान केंद्रित करने और तकनीकी रूप से कुशल समुद्री योद्धा बनने का आग्रह किया। मुख्य अतिथि ने मेधावी अग्निवीरों को पदक और ट्रॉफी से सम्मानित किया।

शान निराली आके देखो कितना ये ज़ीशान है, بسم الله الرحمن الرحيم चाँदी की जाली में सोया मेवाड़ी सुल्तान है।

कुतबे ज़माना हज़रत विलायत अली शाह साहब उर्फ

दीवाना शाह साहब र. अ.

का 83वां उर्स शरीफ

तारीखें उर्स -: 6 सफर 1446 हिजरी, मुताबिक 12 अगस्त 2024 बरोज सोमवार से शुरू होकर 8 सफर 1446 हिजरी, मुताबिक 14 अगस्त 2024 बरोज बुधवार सुबह कुल की फातेहा होगी। लिहाज़ा शिरकते उर्स फरमाकर फैज़याब हों और अपना दामने उम्मीद भरें।

Soni-9829707145

मिनजानिब :- वक्फ कमेटी, दरगाह शरीफ, दीवाना नगर कपासन, जिला- चित्तौड़गढ़ (राज.) Phone No. : 01476-294212, 230212

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908